अखिल भारतीय शब्दावली

समाजविज्ञान एवं सांस्कृतिक नृविज्ञान

A GLOSSARY OF PAN-INDIAN TERMS

SOCIOLOGY & CULTURAL ANTHROPOLOGY

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
भारत सरकार

अखिल भारतीय शब्दावली
समाजविज्ञान एवं सांस्कृतिक नृविज्ञान

A GLOSSARY
OF
PAN-INDIAN TERMS
IN
SOCIOLOGY & CULTURAL ANTHROPOLOGY

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
COMMISSION FOR SCIENTIFIC
AND TECHNICAL TERMINOLOGY
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE
DEVELOPMENT
GOVT. OF INDIA

1986

CONTENTS

1. Foreword. iii—xii

2. Key to Roman pronunciation. xiii

3. List of abbreviations & other hints. xiv

4. Glossary of Pan-Indian Terms. 1—34

5. Appendix I—Principles underlying evolution of Terminology approved by the CSTT. 35—36

6. Appendix II—Resolution passed at the Seminar of Directors of State Book Boards held at Bangalore. 37—38

7. Appendix III—List of experts and CSTT staff concerned with the present glossary. 39—40

प्रस्तावना

यद्यपि भाषा मानवजाति के लिए संचार का सब से महत्त्वपूर्ण और अनूठा साधन है किन्तु यह वरदान भी है और बाधा भी। संसार में भाषाओं की बहुलता के साथ-साथ अनगिनत संचार प्रणालियाँ रही हैं जिन्हें बोलियाँ और भाषाएं कहा जाता है। आज बीसवीं सदी में जबकि देशों के बीच की दूरियां कम हो रही हैं और आपसी संबंध बढ़ते जा रहे हैं तो जीवन के अनेक क्षेत्रों में पहले से कहीं अधिक तीव्र गति वाले संचार साधनों की आवश्यकता है, विशेषकर विज्ञान और टेकनालॉजी के क्षेत्र में ।

बहुत प्राचीन समय से ही हमारा भारत मूलभूत विज्ञानों के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और उसकी सभ्यता निश्चय ही वैज्ञानिक तंत्र पर आधारित रही है। इसके फलस्वरूप हमारे यहाँ अनेक विषयों में पारिभाषिक शब्दावली विकसित हुई है जिसका तत्वमीमांसा से लेकर भौतिक विज्ञानों तक सफलतापूर्वक प्रयोग होता था । संस्कृत भाषा ने भारतीय उपमहाद्वीप को जिस एकता के सूत्र में बांधा था, कालांतर में उसका स्थान अनेक भाषाओं ने ले लिया । फिर ऐसा समय आया जब इनमें से प्रत्येक भाषा का एक विशिष्ट व्यक्तित्व तथा अपनी संचार प्रणाली विकसित हो गई। इन सब के फलस्वरूप भारतीय साहित्य और मानव विज्ञानों की श्रीवृद्धि हुई। वैसे, भाषाओं की बहुलता के इस दौर में भी एक अखिल भारतीय शब्दावली का अस्तित्व था जिससे विनिमय और संचार प्रक्रिया सुगमतापूर्वक चलती थी ।

19वीं शताब्दी में विज्ञान की दुनिया में अनेक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए, विशेषकर पश्चिम की खोजों और आविष्कारों के फलस्वरूप। इसके साथ ही बहुत से नए शब्द अस्तित्व में आए जिनके लिए प्राचीन एवं

मध्ययुगीन विज्ञान में कोई पर्याय नहीं थे। इस कारण भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के निर्माण के लिए प्रयास करने की आवश्यकता अनुभव की गई। इसी उद्देश्य को लेकर भारत सरकार ने 1950 में एक वैज्ञानिक शब्दावली बोर्ड की स्थापना की और फिर 1961 में इसे वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग का रूप दे दिया। अन्य बातों के साथ-साथ शब्दावली आयोग को जो कार्य सौंपे गए उनमें हिन्दी तथा अन्य आधुनिक भारतीय भाषाओं में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली के समन्वय तथा निर्माण से संबंधित सिद्धांतों का निर्धारण भी शामिल था।

आयोग ने शुरू से ही ऐसी शब्दावली के निर्माण पर बल दिया जो थोड़े-बहुत संशोधन के बाद हमारी विभिन्न भाषाओं की प्रकृति के अनुरूप ढाली जा सके और इस प्रकार वह अखिल भारतीय स्तर पर इस्तेमाल की जा सके। इस उद्देश्य की पूर्ति के निमित्त आयोग ने विभिन्न विषयों की शब्दावली को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ सलाहकार समितियों का गठन करते समय इस बात का ध्यान रखा कि इसमें देश के सभी क्षेत्रों के विद्वानों, अध्यापकों और भाषाविदों का प्रतिनिधित्व रहे। साथ ही, आयोग ने वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के भाषावैज्ञानिक पक्ष पर विचार करने के लिए एक संगोष्ठी अलग से आयोजित की जिसमें विभिन्न आधुनिक भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लब्धप्रतिष्ठ भाषाविदों ने भाग लिया।

शब्दावली के निर्माण के लिए आयोग ने जो मार्गदर्शक सिद्धांत निर्धारित किए वे परिशिष्ट 1 में दिए गए हैं। सार रूप में वे इस प्रकार हैं :—

(1) अंतर्राष्ट्रीय शब्दों को ज्यों का त्यों रखा जाए अर्थात् उनका केवल लिप्यंतरण किया जाए। इस कोटि में तत्वों के व रासायनिक यौगिकों के नाम; भार-माप व भौतिक मात्राओं की इकाइयां; गणितीय चिह्न, प्रतीक और सूत्र; द्विपद नाम; व्यक्तियों के नाम पर आधारित शब्द, और रेडियो, पेट्रोल, राडार आदि ऐसे शब्द आते हैं जिनका प्रचलन विश्वव्यापी स्तर पर हो गया है।

(2) नए शब्दों का निर्माण संस्कृत धातु से किया जाए।

(3) क्षेत्रीय स्तर के हिन्दी शब्द जो बहुप्रचलित हो गये हैं, अपना लिए जाएं। लेकिन ऐसे मामलों में अन्य भारतीय भाषाओं को यह छूट रहे कि वे उनके बदले अपने पर्यायों का इस्तेमाल कर सकें।

इन सभी उपायों का मूल उद्देश्य यही था कि सभी आधुनिक भारतीय भाषाओं के लिए समान वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली विकसित हो सके। लेकिन दुर्भाग्य से इस उद्देश्य की पूरी तरह से पूर्ति नहीं हो सकी जैसा कि पिछले दो दशकों के दौरान विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली के सिंहावलोकन से पता चलता है। इसका एक प्रत्यक्ष कारण तो यह था कि आयोग द्वारा निर्मित शब्दावली को अपनाने, उसका अनुकूलन करने और व्यापक प्रचार करने के लिए राज्य स्तर पर एजेंसियां समय से स्थापित नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप शब्दावली के मामले में लेखकों और अनुवादकों को कोई प्रामाणिक स्रोत-सामग्री उपलब्ध नहीं हो सकी। ऐसी स्थिति में जो भी तकनीकी साहित्य उनके हाथ लगा उन्होंने उसी में से पारिभाषिक शब्द ले लिए, भले ही वह साहित्य स्तरीय था अथवा नहीं। इससे भी बुरी बात यह हुई कि कुछ लेखकों ने कोशविज्ञान के मान्य सिद्धांतों को ध्यान में रखे बिना अनेक नए शब्द स्वयं गढ़ लिए। नतीजा यह है कि आज हर भाषा में एक ही संकल्पना के लिए अनेक पर्याय प्रचलन में हैं। इस बात पर बल देने की आवश्यकता नहीं है कि यह अराजकता जितनी जल्दी समाप्त हो सके उतना अच्छा है।

इसी को ध्यान में रखते हुए आयोग ने आधारभूत वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दों के लिए अखिल भारतीय पर्यायों की पहचान/निर्माण की एक परियोजना हाथ में ली है। यह परियोजना राज्य पाठ्य पुस्तक मंडलों के सक्रिय सहयोग से चलाई जा रही है जिसके अन्तर्गत इन मंडलों को अपनी-अपनी भाषाओं का अच्छा जानकारी रखने वाले विशेषज्ञों को मनोनीत करने का निवेदन किया जाता है जो आयोग द्वारा चुने गए आधारभूत पारिभाषिक शब्दों के क्षेत्रीय भाषाई पर्याय एकत्र करके देते हैं। फिर इन पर्यायों को क्रमबद्ध करके अखिल भारतीय संगोष्ठियों में विचारार्थ प्रस्तुत किया जाता है। इन संगोष्ठियों में उपर्युक्त विशेषज्ञों तथा कुछ भाषाविदों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इन विशेषज्ञों की सहायता से ऐसे शब्दों की पहचान व निर्माण किया जाता है जो सभी अथवा अधिकांश भारतीय भाषाओं द्वारा मान्य हो सकें। यदि कोई प्रचलित शब्द सर्वमान्यता की कसौटी पर खरा नहीं उतरता

तो ऐसी स्थिति में भाषाविद उपयुक्त अखिल भारतीय शब्द के निर्माण में विशेषज्ञों की मदद करते हैं। अब तक इस तरह की अनेक संगोष्ठियां आयोजित की जा चकी हैं और इनमें विचार-विमर्श के दौरान जो महत्वपूर्ण पहलू उजागर हुए हैं वे इस प्रकार हैं :—

(1) अन्तर्राष्ट्रीय शब्द सभी को मान्य हैं।

(2) अधिकांश ऐसे संस्कृत शब्द जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में बहुत अलग-अलग अर्थ नहीं देते, अखिल भारतीय स्तर पर प्रयोग के लिए स्वीकृत कर लिए जाते हैं।

(3) फारसी-अरबी से उद्भूत शब्द जो पहले से ही प्रचलित हैं, अधिकांश भारतीय भाषाओं द्वारा मान्य हैं।

(4) यदि कोई शब्द किसी एक भी भाषा में अनादरसूचक अथवा अश्लील अर्थ का बोधक है तो वह एकदम अस्वीकृत कर दिया जाता है।

(5) यदि किसी भाषा को कोई विशेष शब्द इसलिए मान्य नहीं होता क्योंकि उसके स्थान पर पहले से कोई क्षेत्रीय शब्द इतना प्रचलित है कि उसे बदलना असंभव है तो ऐसी स्थिति में अपवादस्वरूप उस भाषा को अपने पूर्व-प्रचलित शब्द का प्रयोग करते रहने की छूट दे दी जाती है।

इस परियोजना का पूरा वित्तीय भार केन्द्रीय सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है और पहले चरण में इस अखिल भारतीय शब्दावली को विषयवार शब्द-संग्रहों के रूप में छापने का प्रस्ताव है। राज्य पाठ्यपुस्तक मंडल इस बात के लिए राजी हो गए हैं कि वे अपने भावी प्रकाशनों में जहां तक हो सकेगा, केवल अखिल भारतीय शब्दों का ही इस्तेमाल करेंगे। जहां किसी ऐसे शब्द का इस्तेमाल में लाना वस्तुतः कठिन होगा, वहां क्षेत्रीय शब्दों के साथ उसे या तो कोष्ठक में या पाद टिप्पणियों के रूप में दे दिया जाएगा।

प्रस्तुत शब्द-संग्रह में समाज विज्ञान तथा सांस्कृतिक नृविज्ञान के लगभग 450 अखिल भारतीय शब्द दिए गए हैं। इसका प्रथम संस्करण निःशुल्क वितरण के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। आशा है, इसका स्वागत होगा और

राज्य मंडल बाद में वास्तविक प्रयोगकर्ताओं में और अधिक प्रचार के लिए इसके परवर्ती संस्करण निकालते रहेंगे ।

मैं राज्य पाठ्य पुस्तक मंडलों के निदेशकों और उनके द्वारा मनोनीत लब्धप्रतिष्ठ विद्वानों का आभारी हूँ कि उन्होंने राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को सफल बनाने में गहरी रुचि दिखाई । आयोग के इस कार्य से सम्बद्ध उत्साही कार्यकर्ता भी प्रशंसा के पात्र हैं ।

(प्रो०) मलिक मोहम्मद
अध्यक्ष
वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय)
भारत सरकार

FOREWORD

Although language is the most important and unique tool of communication given to man, it has been both a gift and a hurdle. With the multiplicity of languages, there have been innumerable systems of communication today recognised as dialects and languages. In the 20th Century while the world comes together and is more closely knit, there is need for faster and quicker communication in many spheres of life, particularly science and technology.

From times immemorial India was a pioneer in the field of fundamental sciences and its civilization was based on a scientific system. Consequently, it evolved a corpus of terminology which ran across disciplines and had an efficacy of usage from metaphysics to the physical sciences. In course of time, the unity provided by the Sanskrit language gave place to a multiplicity of languages in the Indian sub-continent. A time came when each of these languages developed a distinctive personality and mode of communication. All this enriched Indian literature and the human sciences. Even through this period of the multiplicity of languages, there was a pan-Indian terminology which facilitated dialogue and communication.

In the 19th century many momentous changes took place in the scientific world view, especially through discoveries and inventions of the West. In its wake it brought many new terms which reflected the new discoveries and for which ancient and medieval science did not have equivalance. Thus arose the need for making a concerted effort to evolve scientific and technical terminology in Indian languages. It was with this goal that the Government of India set up a Board of Scientific Terminology in 1950 and transformed this into a Commission for Scientific and Technical Terminology in 1961. The functions assigned to the Commission, *inter alia*, included formulation of principles relating to co-ordination and evolution of scientific and technical terminology in Hindi and other modern Indian languages.

The Commission, from the very beginning, emphasized the desirability of evolving a terminology which could, after necessary adaptation, suit the genius of individual languages, and be used on an all-India basis. With this end in view, the Commission, while constituting Expert Advisory Committees for finalising terms in various disciplines, ensured that the Committees comprised reputed scholars, teachers and linguists from all the regions of the country. The Commission also organised a seminar on the linguistics of scientific and technical terminology which was attended by eminent linguists representing all the modern Indian languages.

The guiding principles laid down by the Commission for the evolution of terminology have been given in Appendix-I. These can be summarised as under :—

(i) International terms were to be retained as such and only their transliteration was to be given. Under this category fall names of elements & chemical compounds, units of weights, measures and physical quantities, mathematical signs, symbols & formulae, binomial nomenclatures, terms based on proper names and words like radio, petrol, radar etc., which have gained world wide usage.

(ii) New terms were coined from Sanskrit roots.

(iii) Hindi words of regional character which have become quite current were retained. But in such cases, other Indian languages were free to substitute their own equivalents.

The fundamental goal of all these steps was the evolution of a uniform scientific and technical terminology for all modern Indian languages. Unfortunately, this objective could not be fully achieved as can be observed from a perusal of the scientific and technical literature published during the last two decades in various languages of the country. One obvious reason for this situation was that there were no agencies existing at the State level to adopt/adapt and propagate the terminology evolved by the Commission. The authors and translators had no source material to refer to in so far as terminology was concerned. Under the circumstances, they picked up terms from whatever technical literature--standard or sub-standard— was available and worse still, coined terms without due regard to sound lexicographical principles As a result, we have today multiple sets of

terminologies current in every modern Indian language. This situation obviously should not continue.

The Commission has, therefore, launched a project aimed at identifying/evolving pan-Indian words for basic scientific and technical terms. The project is being implemented with the active co-operation of the State Book Production Boards who are requested to nominate competent subject experts well conversant with the respective languages to furnish regional equivalents of basic technical terms sorted out in the CSTT. These equivalents are then tabulated and placed in all-India seminars in which these experts and some linguists are invited to participate. The experts make and identify words which can find acceptability by all or most of the Indian languages. In case none of the current words stand the test of wide acceptability, the linguists help the experts in coining suitable pan-Indian terms. A number of such seminars have already been organised and the following interesting points have emerged out of the discussions held there :

1. International terms are acceptable to all;
2. Most of such Sanskrit words as do not convey a very divergent meaning in various languages are also accepted for pan-Indian use;
3. Terms of Perso-Arabic origin are already current in and acceptable to most of the Indian languages;
4. Words which have acquired derogatory sense in any language are rejected outright;
5. If a particular word is not acceptable to an individual language because it is considered impossible to replace an already widely current regional word, that language is left free to retain its term, as an exception.

The Central Government is financing the project and it is proposed to publish pan-Indian terminology in the form of subject-wise glossaries, in the first instance. The State Text Book Production Boards have agreed to use, as far as possible, only the pan-Indian terms in their future publications. However, where it is not found practical to use any such term, the same would be given either in brackets or in foot-notes along with the regional terms.

The present glossary consists of about 450 pan-Indian terms pertaining to Sociology & Cultural Anthropology. The first edition is being brought out as a free publication. We hope

it would be widely welcome and the State Boards will publish subsequent editions of this glossary for wider distribution among actual users.

I take this opportunity of expressing my gratitude to the Directors of the State Book Production Boards and the eminent scholars nominated by them for taking keen interest in this project of national importance. A word of appreciation is also due to the staff of the Commission concerned with the work.

(PROF.) MALIK MOHAMED

Chairman

Commission for Scientific & Technical Terminology

(Ministry of Human Resource Development)

Govt. of India

Key to Roman pronunciation

अ	आ	इ	ई	उ		ऊ	ऋ
a	ā	i	ī	u		ū	ṛ
			ए	ऐ		ओ	औ
			e	ai		o	au
क	क़	ख	ख़	ग	ग़	घ	ङ
ka	ḳa	kha	ḳha	ga	ga	gha	ṅ
च	छ	ज	ज़	झ		ञ	
ca	cha	ja	za	jha		ñ	
ट	ठ	ड	ड़	ढ		ढ़	ण
ṭa	ṭha	ḍa	ṛa	ḍha		ṛha	ṇa
त	थ	द		ध			न
ta	tha	da		dha			na
प	फ	फ़	ब	भ			म
pa	pha	fa	ba	bha			ma
य	र	ल	व	श			
ya	ṛa	la	va	śa			
ष	स	ह	:				
ṣa	sa	ha	ḥ				
क्ष	त्र	ज्ञ					
kṣa	tra	jña					

/~ over a vowel denotes nasalization
Anuswara = m

Note: 'a' represents inherent vowel अ

LIST OF ABBREVIATIONS AND OTHER HINTS

Asm.	Assamese
Ben.	Bengali
Guj.	Gujarati
Kan.	Kannada
Mal.	Malayalam
Ori.	Oriya
Pun.	Punjabi
Tam.	Tamil
Tel.	Telugu

1. T. stands for 'transliteration' which means that the English term has been retained as such and will be written in the various scripts in a way as close to the standard English pronunciation as possible.

2. R. stands for 'Regional Equivalent'.

PAN-INDIAN TERMINOLOGY IN SOCIOLOGY AND CULTURAL ANTHROPOLOGY

Basic Term in English	Pan-Indian Term in Roman Script	Pan-Indian Term in Devanagari Script	Exception, if any
1	2	3	4
abduction	apaharaṇa	अपहरण	
abetment	dusprerаṇā	दुष्प्रेरणा	
abrogation	radda karanā	रद्द करना	'radda golisu' in Kan.
absconder	farāra	फ़रार	'palātaka' in Asm.
abstinence	varjana	वर्जन	
acculturation	parasaṇskṛtigrahaṇa	परसंस्कृतिग्रहण	
acquittal	doṣamukti	दोषमुक्ति	
adaptation	anukūlana	अनुकूलन	

1	2	3	4
addict	vyasanī	व्यसनी	
adelphic polyandry	bhrātṛ bahupatitva	भ्रातृ बहुपतित्व	
adolescent	kiśora	किशोर	
adoption	dattakagrahaṇa	दत्तकग्रहण	
adultery	vyabhicāra	व्यभिचार	
adze	T :	ऐड्ज़	
affiance	vāgdāna/vivāha vāgdāna	वाग्दान/विवाह वाग्दान	
affines	vivāha sambandhī	विवाह संबंधी	
agelecism	samāja niyativāda	समाज नियतिवाद	
agitation	kṣobha	क्षोभ	
agnate	pitṛ jñāti	पितृज्ञाति	
agrestic serf	kṛṣidāsa	कृषिदास	
alcoholism	madyādhīnatā	मद्याधीनता	

aleatory	daiva	दैव	
alibi	anyatra upasthiti	अन्यत्र उपस्थिति	
alimony	patnī-nirvāha dhana	पत्नी-निर्वाह धन	
allopatric	pṛthaka prāṇī samūha	पृथक प्राणी समूह	
altar	vedī	वेदी	
ambilocal	ubhayasthānika	उभयस्थानिक	
amelioration	sudhāra	सुधार	
amercement	jurmānā	जुर्माना	
amitate	pitṛbhagini adhikāra	पितृभगिनि अधिकार	८७
amuck (=amok)	unmatta	उन्मत्त	
amulet	tāvīza/taīta	तावीज/तईत	
animatism	jīvātmāvāda	जीवात्मावाद	
animism	jīvavāda	जीववाद	
anklet	nūpura	नूपुर	
annulment	radda karanā	रद्द करना	'radda golisu' in Kan.
anomie	pratimānahīnatā	प्रतिमानहीनता	

1	2	3	4
antagonism	virodha	विरोध	
anthropic	nṛsama	नृसम	
anthropology	nṛvijñāna	नृविज्ञान	
anthropomorphism	naratvāropaṇavāda	नरत्वारोपणवाद	
antifamilism	parivāra-virodha vṛtti	परिवार-विरोध वृत्ति	'pariyāla-virodha vṛitti in Asm.
antiquarian	purāvastu anveṣaka	पुरावस्तु अन्वेषक	
antique	purāvastu	पुरावस्तु	
antisocial	samājavirodhī	समाजविरोधी	
apartheid	varṇa-dveṣa	वर्ण-द्वेष	
apparition	preta chāyā	प्रेत छाया	
arboreal	vṛkṣavāsī	वृक्षवासी	
archaeolatry	purāvastu pūjā	पुरावस्तु पूजा	
archaic	purātana	पुरातन	
aristocracy	1. ābhijātya 2. abhijātatantra	1-आभिजात्य 2-अभिजाततंत्र	

aristocrat	abhijāta	अभिजात
arrow	bāṇa	बाण
artifact	hastakṛti	हस्तकृति
artificer	vastu nirmāṭā	वस्तुनिर्माता
ascetic	vairāgī	वैरागी
assailant	ākramaṇakārī	आक्रमणकारी
association	sangha	संघ
asylum	āśrayasthāna	आश्रयस्थान
augur	śakunajña	शकुनज्ञ
autocthon	mūla nivāsī	मूल निवासी
aversion	viruci	विरुचि
avoidance	parihāra	परिहार
avunculate	mātula sambandha	मातुल संबंध
avunculocal	mātulasthānika	मातुलस्थानिक

1	2	3	4
backwardness	anagrasaratā	अनग्रसरता	
banishment	nirvāsana	निर्वासन	
barbarism	barbaratā	बर्बरता	
basketry	karaṇḍa śilpa	करंड शिल्प	
betrothal	vivāha niścaya	विवाह निश्चय	R also allowed
bigamy	dvivivāha (prathā)	द्विविवाह (प्रथा)	
bigotry	dharmāndhatā, matāgraha	धर्मांधता, मताग्रह	
bilithon	dvi-aśmaka	द्वि-अश्मक	
bisque	akācita mṛdpātra	अकाचित मृद्पात्र	
bondman	krītadāsa	क्रीतदास	
border	kuṭir dāsa	कुटीर दास	
borer	randhraka	रंध्रक	
bow	dhanu	धनु	
burglary	gṛhacaurya	गृहचौर्य	

burial	śava samādhi	शव समाधि
case work	vyaṣṭi kārya	व्यष्टि कार्य
cell	T.	सेल्ट
ceramic	mṛdpātra	मृद्पात्र
ceremony	1. samāroha	1-समारोह
	2. upacāra	2-उपचार
chant	mantragāna, mantra-aghoṣa	मंत्रगान, मंत्रघोष
charm	sammohanī	सम्मोहनी
chert	prastara, T.	प्रस्तर, चर्ट
chisel	takṣaṇī	तक्षणी
chopper	khaṇḍaka	खंडक
chronology	kālānukrama	कालानुक्रम
cicatrization	kṣatāṅkana	क्षतांकन
cicisbeism	upapatiprathā	उपपतिप्रथा
cicisbeo	upapati	उपपति

1	2	3	4
clan	kula,T.	कुल, क्लान	
class	varga	वर्ग	
cleaver	vidāraṇī	विदारणी	
cognate	mātṛjñāti	मातृज्ञाति	
cohabitation	sahavāsa	सहवास	
cohesion	saṃhati	संहति	
community	samudāya	समुदाय	
companion	sahacara, sāthī	सहचर, साथी	
concept	saṅkalpanā, sampratyaya	संकल्पना, संप्रत्यय	
conceptualization	sampratyayna, saṅkalpī-karaṇa	संप्रत्ययन, संकल्पीकरण	
concubinage	upapatnipratha/raksitā-prathā	उपपत्निप्रथा, रक्षिताप्रथा	
configuration	saṃvinyāsa	संविन्यास	
conformist	anuvartī	अनुवर्ती	

conjugal family	dāmpatya kuṭumba/ parivāra	दांपत्य कुटुंब/परिवार	'dāmpatya pariyāla' in Asm.
conjuror	aindrajālika	ऐंद्रजालिक	
connubium	vaidha vivāha	वध विवाह	
consanguinity	rakta sambandha	रक्त संबंध	
consecration	pavitrīkaraṇa	पवित्रीकरण	
consummation	saṃsiddhi	संसिद्धि	
contract	saṃvidā	संविदा	
corvee	begāra,vethī	बेगार, वेथी	
coterie	mantraṇā goṣṭhī	मंत्रणा गोष्ठी	
crazing	dara citraṇa	दर चित्रण	
crime	aparādha	अपराध	
criminal	aparādhī	अपराधी	
criminology	aparādha vijñāna, aparādha śāstra	अपराधविज्ञान, अपराधशास्त्र	
crimogenesis	aparādha utpatti	अपराध उत्पत्ति	

1	2	3	4
cross-cousins	vilinga sahodaraja santati, vilinga kazina	विलिंग सहोदरज संतति, विलिंग कझिन	
crowd	gaṇa, janasaṅkula	गण, जनसंकुल	
cult	upāsanā vidhi	उपासना विधि	
culture	saṃskṛiti	संस्कृति	
culturology	saṃskṛtivijñāna, saṃskṛtiśāstra	संस्कृतिविज्ञान, संस्कृतिशास्त्र	
custom	prathā, rīti	प्रथा, रीति	
dart	laghu bhalla	लघु भल्ल	
dating	kālanirdhāraṇa, T.	कालनिर्धारण, डेटिंग	
declass	nivargīkaraṇa	निवर्गीकरण	
deculturation	visaṃskṛtīkaraṇa	विसंस्कृतीकरण	
defilement	apavitrīkaraṇa	अपवित्रीकरण	
deicide	1. devahatyā 2. devahantā	1. देवहत्या 2. देवहंता	

deification	devatvāropaṇā	देवत्वारोपण
deity	devatṛ	देवतृ
demon	piśāca	पिशाच
demonolatry	piśācapūjā	पिशाचपूजा
demonology	piśācavidyā	पिशाचविद्या
denomination	pantha	पंथ
descendent	vanśadhara	वंशधर
descent	vanśānukrama	वंशानुक्रम
detribalization	vijanajātīyakaraṇa	विजनजातीयकरण
diabolism	dānavavāda	दानववाद
digamy	dvitīya vivāha prathā	द्वितीय विवाह प्रथा
differentiation	pṛthakīkaraṇa	पृथकीकरण
diffusionism	prasāravāda	प्रसारवाद
discrimination	vibhedabhāva, vibhedīkaraṇa	विभेदभाव, विभेदीकरण
disorganization	vigaṭhanīkaraṇa, vighatanīkaraṇ	विगठनीकरण, विघटनीकरण

1	2	3	4
divination	śakunavicāra, prākkhyā-pana	शकुनविचार, प्राक्ख्यापन	
diviner	śakunavicāraka, prākkhyāpaka	शकुनविचारक, प्राक्ख्यापक	
divorce	vivāhaviccheda	विवाहविच्छेद	
donation	dāna	दान	
dormitory	śamūha śayanāgāra	समूह शयनागार	
dower	vidhavā dāya	विधवा दाय	
dowry	yautuka, strīdhana, varadakṣiṇā	यौतुक, स्त्रीधन, वरदक्षिणा	
dugout	dongī, droṇī naukā	डोंगी, द्रोणी नौका	
ego (geneology)	aham vyakti	अहम् व्यक्ति	
egyptology	misravidyā	मिस्रविद्या	
eidolism	bhūtavāda	भूतवाद	
eidos	sāṃskṛtika bāhyarūpa	सांस्कृतिक बाह्यरूप	

elite	sambhrānta vyakti, prəvara] ana	संभ्रांत व्यक्ति, प्रवर जन	
elopement	sahapalāyana	सहपलायन	
emigrant	utpravāsī	उत्प्रवासी	
emigration	utpravasan	उत्प्रवसन	
enculturation	saṃskṛtīkaraṇa	संस्कृतीकरण	
endogamy	antarvivāha	अंतर्विवाह	
envoutment	pratikṛti jādū	प्रतिकृति जादू	
ethnocentrism	svajāti kendrikavāda	स्वजाति केन्द्रिकवाद	
ethnology	nṛjātivijñāna	नृजातिविज्ञान	
ethnos	nṛjāti	नृजाति	
ethos	viśiṣṭācāra	विशिष्टाचार	
exogamy	bahirvivāha	बहिर्विवाह	
familism	parivāra vṛtti	परिवार, वृत्ति	'pariyāla vṛtti' in Asm.
family	pərivāra, kuṭumba	परिवार, कुटुंब	'pariyāla' in Asm.
family of orientation	samāja nyāsa parivāra/ kuṭumba	समाज न्यास परिवार/कुटुंब	'samāja nyāsa pariyāla' in Asm.

1	2	3	4
family of procreation	prajanana parivāra/ kuṭumba	प्रजनन परिवार/कुटुंब	'prajanana pariyāla' in Asm.
fatherland	pitṛbhūmi	पितृभूमि	
felony	mahāparādha	महापराध	
fertile crescent	ardhacandrākṛti urvaraka bhūmi	अर्धचंद्राकृति उर्वरक भूमि	
feud	vaira (bhāva)	वैर (भाव)	
filiation	santati samparka	संतति संपर्क	
flake	śalka	शल्क	
flint	cakamaka aśma, T.	चकमक अश्म, फ्लिट	
float	plava	प्लव	
folk	loka, jana	लोक, जन	
folk custom	lokaprathā	लोकप्रथा	
folklore	lokagāthā	लोकगाथा	
folksong	lokagīti	लोकगीति	

folkways	lokācāra	लोकाचार
fossilization	jīvāśmībhavana	जीवाश्मीभवन
fostering	paripālana	परिपालन
fratricide	1. bhrātṛhatyā 2. bhrātṛhantā	1. भ्रातृहत्या 2. भ्रातृहंता
functionalism	prakāryavāda	प्रकार्यवाद
functionary	kāryakartā	कार्यकर्त्ता
funeral	antyeṣṭi	अंत्येष्टि
gang	T.	गैंग
gangster	ḍākū	डाकू
gemeinschaft	T.	गेमाइनशाफ्ट
genealogy	vanśāvalī	वंशावली
genesis	utpatti	उत्पत्ति
genetic	jānanika	जाननिक
genocide	janahatyā	जनहत्या
gens	T.	जेन्स

1	2	3	4
gesellschaft	T.	गेज़ेलशाफ्ट	
ghost	bhūta, preta	भूत, प्रेत	
glaciation	himāvartana, himācchādana	हिमावर्तन, हिमाच्छादन	
graver	T.	ग्रेवर	
group	samūha, yūtha	समूह, यूथ	
guardianship	abhibhāvakatā	अभिभावकता	
guild	śrenī	श्रेणी	
gynecocracy	narītantrā	नारीतंत्र	
half-brother	vaimātreya bhrātā	वैमात्रेय भ्राता	
harlot	veśyā	वेश्या	
harpoon	T.	हार्पून	
heirloom	kulāgata sampatti	कुलागत संपत्ति	
herocult	vīrapūjā	वीरपूजा	

hunting	śikāra	शिकार
hypergamy	anuloma vivāha	अनुलोम विवाह
hypogamy	pratiloma vivāha	प्रतिलोम विवाह
idolatory	mūrtipūjā, pratimāpujā	मूर्तिपूजा, प्रतिमापूजा
illegitimacy	jārajatva	जारजत्व
immigrant	āpravāsī	आप्रवासी
immigration	āpravasana	आप्रवसन
incantation	mantroccāra	मंत्रोच्चार
incarnation	avatāra	अवतार
incest	agamyagamana	अगम्यगमन
incorrigibility	śikṣātītatā	शिक्षातीतता
indentured	karārabaddha	करारबद्ध
individualist	vyaktivāda	व्यक्तिवाद
infanticide	1.śiśuhatyā, 2.śiśuhantā	1. शिशुहत्या 2. शिशुहंता
infecundity	bandhyatā	बंध्यता
infertility	anurvaratā	अनुर्वरता

1	2	3	4
infirmary	cikitsāśālā	चिकित्साशाला	
information	sūcanā	सूचना	
infrahuman	(n.) adhomānava (adj.) adhomānavīya	(सं०) अधोमानव (वि०) अधोमानवीय	
ingroup	antaḥ samūha	अंतः समूह	
inheritance	uttarādhikāra, virsā	उत्तराधिकार, विरसा	
inhumation	śavādhāna, dafanāṇā	शवाधान, दफ़नाना	
institution	saṃsthā	संस्था	
jattatore	kudṛṣṭā	कुदृष्टा	R. also allowed
jattatura	kudṛṣṭi	कुदृष्टि	R. also allowed
kin	bandu, jñāti, nātedāra	बंधु, ज्ञाति, नातेदार	
kindred	bandhu, jñāti, nātedāra	बंधु, ज्ञाति, नातेदार	
kinship	bandhutva, jñātitva, nātedārī	बंधुत्व, ज्ञातित्व, नातेदारी	
kitchen-midden	T.	किचिन-मिडन	

labret	adharikā	अधरिका
larithmics	janaganānāvijñāna	जनगणनाविज्ञान
legend	upākhyāna, dantakathā	उपाख्यान, दंतकथा
levirate	T.	लेविरेट
liberation	vimukti	विमुक्ति
lineage	vaṁśa	वंश
lynching	T.	लिंचिंग
magic	jādū	जादू
maiming	vikalāṅgakaraṇa	विकलांगकरण
malfeasance	avaidhkarma	अवैधकर्म
mana	T.	माना
mancy	bhavikvāṇi, bhaviṣya-kathana	भविकवाणी, भविष्यकथन
manes	pitara	पितर
marriage	vivāha	विवाह
matriarchate	mātṛpradhāna vyavasthā	मातृप्रधान व्यवस्था

1	2	3	4
matriclan	mātṛkula	मातृकुल	
matrilineage	mātṛvanśa	मातृवंश	
matriliny	mātṛvānśikatā	मातृवांशिकता	
matrimony	vivāha	विवाह	
matripotestal	mātṛsattātmaka	मातृसत्तात्मक	
matronymic	mātṛnāmī	मातृनामी	
mensrea	aparādhī mana	अपराधी मन	
mesolithic	madhya prastara, madhya śilā	मध्य प्रस्तर, मध्य शिला	
microlith	śūkṣma prastar, śūkṣma śilā	सूक्ष्म प्रस्तर, सूक्ष्म शिला	
migrant	pravāsī	प्रवासी	
migration	pravasana	प्रवसन	
misanthropy	mānavadveṣa	मानवद्वेष	
miscegenation	prajāti saṅkaraṇa	प्रजाति संकरण	

misdemeanant	kadācārī	कदाचारी
misogamic	vivāhadveṣī	विवाहद्वेषी
misogamy	vivāhadveṣa	विवाहद्वेष
mob	uttejita janasamūha	उत्तेजित जनसमूह
mobility	gatiśīlatā	गतिशीलता
moiety	ardhaka, T.	अर्धक, मोइटी
monandry	ekapatitva	एकपतित्व
monism	advaitavāda	अद्वैतवाद
monogamy	ekavivāha prathā	एकविवाह प्रथा
monogyny	ekapatnitva	एकपत्नित्व
monolatory	ekadevapūjā	एकदेवपूजा
monoxylon	ḍongī, droṇī naukā	डोंगी, द्रोणी नौका
morality	naitikatā	नैतिकता
mores	lokarīti	लोकरीति
morgue	ajñātaśavāgāra	अज्ञातशवागार
mortuary	śavāgāra	शवागार

1	2	3	4
mummification	mamīkaraṇa	ममीकरण	
muniment	hakkapatra	हक्कपत्र	
mutilation	aṅgabhañjana	अंगभंजन	
mythology	mithihāsa, purāṇa vidyā	मिथिहास, पुराणविद्या	
necromancy	pretavidyā	प्रेतविद्या	
neolithic age	navaprastara yuga, navaśilā yuga	नवप्रस्तर युग, नवशिला युग	
neolocal	navasthānika	नवस्थानिक	
neopositivism	navapratyakṣavāda	नवप्रत्यक्षवाद	
norm	pratimāna, mānaka	प्रतिमान, मानक	
nouveau riche	navadhanika, navaśrīmanta	नवधनिक, नवश्रीमंत	
nuptial	vaivāhika	वैवाहिक	R. also allowed
objectification	vastukaraṇa	वस्तुकरण	
oblation	naivedya ; tarpaṇa ; bali	नैवेद्य ; तर्पण ; बलि	

obsequies	antima saṃskāra, antyeṣṭi	अंतिम संस्कार, अंत्येष्टि
observation	prekṣaṇa	प्रेक्षण
odalisque	kanīza, T.	कनीज, ओडालिस्क
offering	naivedya ; bali	नैवेद्य ; बलि
omen	śakuna	शकुन
omnivore	sarvabhakṣī	सर्वभक्षी
ordeal	kaṭhinparīkṣā	कठिन परीक्षा
orthocousin(-parallel cousin)	samānāntara kazina,T h	समानांतर कज़िन, ऑर्थोकज़िन
ossification	asthibhavana	अस्थिभवन
ossuary	asthiśālā	अस्थिशाला
out-breeding	bahirprajanana	बहिर्प्रजनन
outrigger	samatolaka	समतोलक
paleoanthropology	pūrvanṛvijñāna	पूर्वनृविज्ञान
pantagamy	sarvavivāha	सर्वविवाह
parallel cousin	samānāntar kazina,T.	समानांतर कज़िन, पैरलेल कज़िन

1	2	3	4
parent	janayitṛ	जनयितृ	
parenthood	māpitṛtva	मापितृत्व	
participant	sahabhāgī	सहभागी	
pastoralist	paśupālaka	पशुपालक	
patriarchate	pitṛpradhāna vyavasthā	पितृप्रधान व्यवस्था	
patriarchy	pitṛpradhāna	पितृप्रधान	
patricide	1. pitṛhatyā 2. pitṛhantā	1. पितृहत्या 2. पितृहंता	
patrilinear (=patrilineal)	pitṛavanśīya	पितृवंशीय]	
patriliny	pitṛvanśikatā	पितृवंशिकता]	
patrimony	paitṛikī, pitṛārjita dhana	पैतृकी, पितृार्जित धन	
patronymic	pitṛnāmi	पितृनामी	
Penates	T.	पिनेटीज	
periapt	tāvīza, taīta	तावीज, तईत	
phallicism	liṅgapūjā	लिंगपूजा	

phratry	T.	फ्रेटरी	
picket	dharanā	धरना	
pictogram	citrākṣara	चित्राक्षर	
pile house	stambha gṛha	स्तंभ गृह	
polyandry	bahupatitva	बहुपतित्व	
polygamy	bahuvivāha prathā	बहुविवाह प्रथा	
polytheism	bahudevavāda	बहुदेववाद	
preceding	pūrva saṅketīkaraṇa	पूर्व संकेतीकरण	
premarital	vivāhapūrva	विवाहपूर्व	
primitive	ādima	आदिम	
primogeniture	jyeṣṭhādhikāra	ज्येष्ठाधिकार	
profane	I. apāvana 2. laukika	1. अपावन 2. लौकिक	
progeniture	prajanaka	प्रजनक	
progeny	santati	संतति	
prophesy	bhaviṣyavāṇī	भविष्यवाणी	
prophet	paigambara	पैगम्बर	R. also allowed

1	2	3	4
proselytization	dharmāntaraṇa	धर्मांतरण	
prostitution	veśyāvṛtti	वेश्यावृत्ति	
protoculture	ādyasamskṛti	आद्यसंस्कृति	
psychosocial	manosāmājika	मनोसामाजिक	
punalua	T.	पुनालुआ	
ramage	vanśakrama	वंशक्रम	
rapport	sāmarasya, sauhārda-sthāpana	सामरस्य, सौहार्द-स्थापन	
recidivism	aparādha vyasana	अपराध व्यसन	
reciprocity	parasparatā	परस्परता	
reformatory	sudhārālaya, sudhāraṇālaya	सुधारालय, सुधारणालय	
regeneration	1. punarjanma 2. punarujjīvana	1. पुनर्जन्म 2. पुनरुज्जीवन	
reincarnation	punarjanma, punardeha-dhāraṇa	पुनर्जन्म, पुनर्देहधारण	

relation	1. sambandha 2. sambandhī	1. संबंध 2. संबंधी
religion	dharma	धर्म
reprieve	danda nilambana	दंड निलंबन
restraint	nigraha, samyama	निग्रह, संयम
retribution	pratikāra	प्रतिकार
retrogression	paścagamana	पश्चगमन
rite	samskāra	संस्कार
ritual	samskāra	संस्कार
rivalry	pratispardhā	प्रतिस्पर्धा
role	bhūmikā, pātra, T.	भूमिका, पात्र, रोल
rostro-carinate	cancu-ākāra	चंचु-आकार
rural	grāmīṇa	ग्रामीण
rurality	grāmīṇatā	ग्रामीणता
rurbanization	grāma-nagarīkaraṇa	ग्राम-नगरीकरण
sacrament	dhārmika samskāra	धार्मिक संस्कार

1	2	3	4
sacra privata	gṛhotsava	ग्रहोत्सव	
savagery	jaṅgalī	जंगली	
scar	carmakṣata	चर्मक्षत	
scraper	T.	स्क्रेपर	
sect	pantha	पंथ	
seduction	vilobhana	विलोमन	
segregation	pṛthakkaraṇa	पृथक्करण	
self hood	ātmatva	आत्मत्व	
self immolation	ātmadāha, ātmadahana	आत्मदाह, आत्मदहन	
senicide	vṛddhahatyā	वृद्धहत्या	
sentence	sazā, danda	सजा, दंड	
serf	dāsa	दास	
shadchan	vivāha dalāla	विवाह दलाल	

shamanism	śamanavāda	शमनवाद
shelter	śaraṇa, āśraya	शरण, आश्रय
shifting cultivation (-slash and burn)	jhūmakhetī	झूम खेती
shrine	puṇyasthāna	पुण्यस्थान
sibling	sahodara	सहोदर
slave	krītadāsa	क्रीतदास
sledge	T.	स्लेज
sociability	samājaśīlatā	समाजशीलता
socialism	samājavāda	समाजवाद
socialization	samājīkaraṇa	समाजीकरण
sociation	samājana	समाजन
sociogram	samāja-ālekha	समाज आलेख
sociogroup	sāmājika samūha	सामाजिक समूह
solidarity	ekatā	एकता
sorcery	abhicāra, jādū-ṭonā	अभिचार, जादू-टोना

1	2	3	4
sororate	T.	सॉरोरेट	
sortilege	ramala vidyā	रमल विद्या	
soul	ātmā	आत्मा	
spell	mantraprabhāva	मंत्रप्रभाव	
spiritualism	adhyātmāvāda	अध्यात्मवाद	
stationary	acala	अचल	
stratification	starīkaraṇa, staraṇa	स्तरीकरण, स्तरण	
stratigraphy	staravijñāna	स्तरविज्ञान	
structure	samracanā	संरचना	
subculture	upasamskṛti	उपसंस्कृति	
subsistence	jīvanādhāra, jīvikā	जीवनाधार, जीविका	
sub-social	avasāmājika	अवसामाजिक	
suicide	ātmahatyā	आत्महत्या	
supernaturalism	alaukikaṭā	अलौकिकता	

uperorganic	adhijaiva	अधिजैव
survey	sarvekṣaṇa	सर्वेक्षण
synthesis	saṅśleṣaṇa	संश्लेषण
taboo	T,	टेबू
technology	T.	टेक्नोलांजी
teknonymy	anusantati sambodhana	अनुसंतति संबोधन
teleology	uddeśyavāda	उद्देश्यवाद
telesis	uddeśya siddhi	उद्देश्य सिद्धि
telics	uddeśyatā	उद्देश्यता
term marriage	sāvadhi vivāha	सावधि विवाह
theory	siddhānta	सिद्धांत
therianthropism	narapaśupūjā	नरपशुपूजा
theriomancy	paśu-bhaviṣya-kathana	पशु-भविष्य-कथन
they-feeling	para-bhāva	पर-भाव
they-group	para-samūha	पर-समूह
tool	upakaraṇa, auzāra	उपकरण,औज़ार

1	2	3	4
totem	kula cihna, T.	कुल चिह्न, टोटम	
totemism	kulacihnavāda, ṭoṭamavāda	कुलचिह्नवाद, टोटमवाद	
tradition	paramparā	परंपरा	
trait	viśeṣaka	विशेषक	
trans-culturation	parasamskṛtigrahaṇa	परसंस्कृतिग्रहण	
tribalization	janajātīyakaraṇa	जनजातीयकरण	
tribe	janajāti	जनजाति	
twice born	dvija	द्विज	
type	1. prarūpa 2. prakāra	1. प्ररूप 2. प्रकार	
typology	prarūpa vargīkaraṇa	प्ररूप वर्गीकरण	
union	saṅgha	संघ	
uterine	ekamātṛaka	एक मातृक	
value	mūlya	मूल्य	

vendetta	kulavaira, vaṅśavaira	कुलवैर, वंशवैर
wedlock	vivāha	विवाह
we-feeling	vayam bhāva	वयंभाव
welfare	kalyāṇa	कल्याण
wergild	kṣatideya	क्षतिदेय
windbreak	vāyurodha	वायुरोध
witchcraft	abhicāra, jādū-ṭonā	अभिचार, जादू-टोना
witch doctor	abhicāraka	अभिचारक
zoolatory	paśupūjā	पशु पूजा
zootheism	paśudevavāda	पशुदेववाद

Appendix I

PRINCIPLES FOR EVOLUTION OF TERMINOLOGY APPROVED BY THE COMMISSION FOR SCIENTIFIC AND TECHNICAL TERMINOLOGY

1. 'International' terms should be adopted in their current English forms, as far as possible, and transliterated in Hindi and other Indian languages according to their genius. The following should be taken as examples of international terms :—

(a) Terms based on proper names e.g., Marxism (Karl Marx), Braille (Braille), boycott (Capt. Boycott), guillotine (Dr. (Guillotin), gerrymander (Gerry), etc.

(b) Words like telephone, licence, royalty, permit, tariff etc.

2. Conceptual terms should generally be translated.

3. In the selection of Hindi equivalents simplicity, precision of meaning and easy intelligibility should be borne in mind. Obscurantism and purism may be avoided.

4. The aim should be to achieve maximum possible identity in all Indian languages by selecting terms : —

(a) common to as many of the regional languages as possible, and

(b) based on Sanskrit roots.

5. Indigenous terms, which have come into vogue in our languages for certain technical words of common use as तार for telegraph/telegram, महाद्वीप for continent, डाक for post etc. should be retained.

6. Such loan words from English, Portuguese, French, etc. as have gained wide currency in Indian languages should be retained e.g., ticket, signal, pension, police, bureau, restaurant, deluxe etc.

7. Transliteration of International terms into Devanagari Script : —

The transliteration of English terms should not be made so complex as to necessitate the introduction of new signs and symbols in the present Devanagari characters. The Devanagari render-

ing of English terms should aim a maximum approximation to the standard English pronunciation with such modifications as are prevalent amongst the educated circle in India.

8. Gender: The International terms adopted in Hindi should be used in the masculine gender, unless there were compelling reasons to the contrary.

9. **Hybrid formation** : Hybrid forms in technical terminologies e.g. गारन्टित for 'guaranteed', क्लासिकी for 'classical', कोडकार for 'codifier', etc. are normal and natural linguistic phenomena and such forms may be adopted in practice keeping in view the requirements of technical terminology viz. simplicity, utility and precision.

10. **Sandhi and Samasa in technical terms :** Complex forms of Sandhi may be avoided and in cases of compound words, hyphen may be placed in between the two terms, because this would enable the users to have a more easy and quicker grasp of the word structure of the new terms. As regards आदिवृद्धि in Sanskrit-based words, it would be desirable to use आदिवृद्धि in prevalent Sanskrit tatsama words e.g. व्यावहारिक, लाक्षणिक etc. but may be avoided in newly coined words.

11. **Halanta:** Newly adopted terms should be correctly rendered with the use of 'hal' wherever necessary.

12. Use of Pancham Varna: The use of अनुस्वार may be preferred in place of पंचम वर्ण but in words like 'lens', 'patent' etc., the transliteration should be लेन्स, पेटेन्ट and not लेंस, पेटेंट or पेंटेण्ट

Appendix II

Seminar on PAN-INDIAN TERMINOLOGY held at Senate Hall, Central College, Bangalore University, Bangalore-560001 on 5th and 6th March, 1979 under the Chairmanship of Prof. H.L. Sharma, Adviser, Scientific and Technical Terminology-cum-Director, Central Hindi Directorate, Ministry of Education and Social Welfare, Government of India, New Delhi.

The Seminar adopted the following resolution unanimously :

The Seminar thanks Prof. H.L. Sharma, for his thought provoking opening remarks and thanks the Vice-Chancellor Shri T.R. Jayaraman, for his inaugural address and Shri H.R. Dase Gowda, Director of Prasaranga, Bangalore University, for all the fine arrangements and amenities for the delegates.

The Seminar places on record its deep debt of gratitude for Dr. P. Gopal Sharma, Director, Central Hindi Institute, Agra; Shri K.R. Sharma, Joint Director, Central Translation Bureau, Ministry of Home Affairs, Government of India, for their working papers. The Seminar has discussed the working papers, in the light of the address initiated by Dr. Somayaji and papers read by Dr. Radha Krishna of Andhra Telugu Academy and Mr. Kanthi Rao, Director of Translations, Karnataka and the useful contributions made by other learned delegates from various States. The seminar having carefully considered all the aspects of the subject on Pan-Indian Terminology in respect of: (1) Physical Sciences, (2) Biological Sciences, and (3) Social Sciences and Humanities and noting the fundamental characteristic of onr national culture namely, unity in diversity, adopts the followiug resolutions:

1. It is resolved that there is a pressing necessity in view of the national perspective, to evolve a Pan-Indian Terminology in the above three branches and noting the basic fact that this is a national problem, it was further resolved that this project has to be organised, coordinated, and translated into action and wholly financed by the Central Govt.

2. The Seminar having noticed that there is already a base in the various regional languages in respect of this terminology impresses on and exhorts the Commission for Scientific and Technical Terminology, Delhi, to take immediate and effective steps to:

(i) Identify and locate the various experts in the diverse subjects and languages in the various states, and in such numbers as necessary among their own employees and staff.

(ii) Arrange seminars, discussions and other meetings in different parts of the country pooling the scholars in various regional languages to enable it to evolve a uniform Pan-Indian terminology.

3. The Seminar deeply concerned about the urgency of the problem and the depth of the study and work that the project involves, urges the Central Government to revamp and strengthen the Commission for Scientific and Technical Terminology with sufficient staff and manpower giving due representation to all the states and all the regional languages.

4. The Seminar views with concern that in some states there is no central coordinating body to collect, collate and publish such terminology and it is a great lacuna. It impresses on state governments to adopt measures and take such other administrative steps to constitute such a body with a strong personnel immediately considering the all-India importance of the subject.

5. The Seminar recommends to the state governments that working groups should be set up in every state, under the coordination of a central agency and the working groups should be constituted subjectwise and broad fieldwise and these should work in cooperation with the state agencies wherever they exist.

Appendix III

List of Scholars who participated in the Pan-Indian Terminology Workshops in Sociology and Cultural Anthropology held at Aurangabad and Amritsar (1982)

Subject Experts

1. Bhandarkar, Dr. P.L., Nagpur.
2. Mahapatra, Dr. L.K., Prof. & Head of Anthropology Deptt., Utkal University, Bhubaneswar.
3. Mehdi, Dr. B.K., Department of Anthropology, Gauhati University, Gauhati.
4. Nanjammani, Prof. Mrs. M., Mysore.
5. Nayar, Dr. P.K.B., Prof. & Head of Sociology Department, University of Kerala, Trivandrum.
6. Patil, Prof. S.A., Deptt. of Sociology, Karnataka University, Dharwar.
7. Shankar Lal, Sh. V., Telugu Academy, Hyderabad.
8. Singh, Dr. Jaspal, Reader & Head of Sociology Deptt., Guru Nanak Dev University, Amritsar.
9. Sondhi, Sh. Satindar Singh, Asstt. Editor, Punjab State University Text-Book Board, Chandigarh.
10. Subramanian, Dr. K.B., Prof. & Head of Zoology Deptt., Vivekanand College, Madras.

Linguists

1. Banerjee, Dr. S.R., Reader, Deptt. of Comparative Philology & Linguistics, University of Calcutta, Calcutta.
2. Gurudatta, Sh. Pradhan, Reader, Institute of Kannada Studies, Mysore University, Mysore.

Staff Members

1. Sh. B.D. Pandya
2. Kumari Madhuri Nigam
3. Smt. Kanti Saxena
4. Sh. Arvind Ashdhir

PUBLICATION AND PRINTING

Shri B.D. Pandya	Deputy Director
Dr. B.K. Sinha	Asstt. Education officer
Sh. Arvind Ashdhir	Research Asstt.
Shri Alok Vahi	Artist

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS,
MINTO ROAD NEW DELHI-110002